मिशन उज्जैन 2030

परिचय

आधुनिक तकनीक, जरूरी सुविधाओं से परिपूर्ण, उन्नत और खुशहाल बने मेरा उज्जैन यही परम लक्ष्य है। इस लक्ष्य को पाने के लिए हमारा विजन बिलकुल क्लियर है। भारतीय जनता पार्टी के हजारों समर्पित कार्यकर्ताओं का साथ - वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन, भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार (राज्य सरकार व केंद्र सरकार) के बलबूते और परम सत्ताधीश श्री महाकाल के आशीर्वाद से हम विकास के ब्लू प्रिंट पर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। हमें धैर्य रखना होगा। कुछ योजनाएं धरातल पर जल्दी उतरती हैं। वहीं, कुछ की प्रक्रियाओं को पूरा होने में वक्त लगता है। कोई भी योजना निष्फल नहीं होगी।

उज्जैन संसदीय क्षेत्र की विकास योजनाओं को साकार करने मैं, देवाधिदेव श्री महाकालेश्वर का ध्यान-सुमिरन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज जी के आगे कर बद्ध हो जाता हूं। मैं एक बच्चे की भांति उनसे हठ करता हूं कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र के लिए ये चाहिए - वो चहिए। भविष्य का किसे पता? अनिल फिरोजिया आगे भी सांसद रहेगा या नहीं, कोई नहीं जानता। यह तो उज्जैन के राजाधिराज श्री महाकाल और संसदीय क्षेत्र की जनता-जनार्दन ही तय करेंगें। लेकिन ये बात पक्की है कि मैं अनिल फिरोजिया, श्री महाकाल की कृपा से उनकी उज्जैन नगरी में विकास कार्यो की ऐसी गाथा रच और लिख रहा हूं, जिसकी अमिट छाप लोगों के दिलों में सदैव जिंदा रहे।

श्री अनिल फिरोजिया

MEMBER OF PARLIAMENT

रोड, रेल और हवाई यातायात

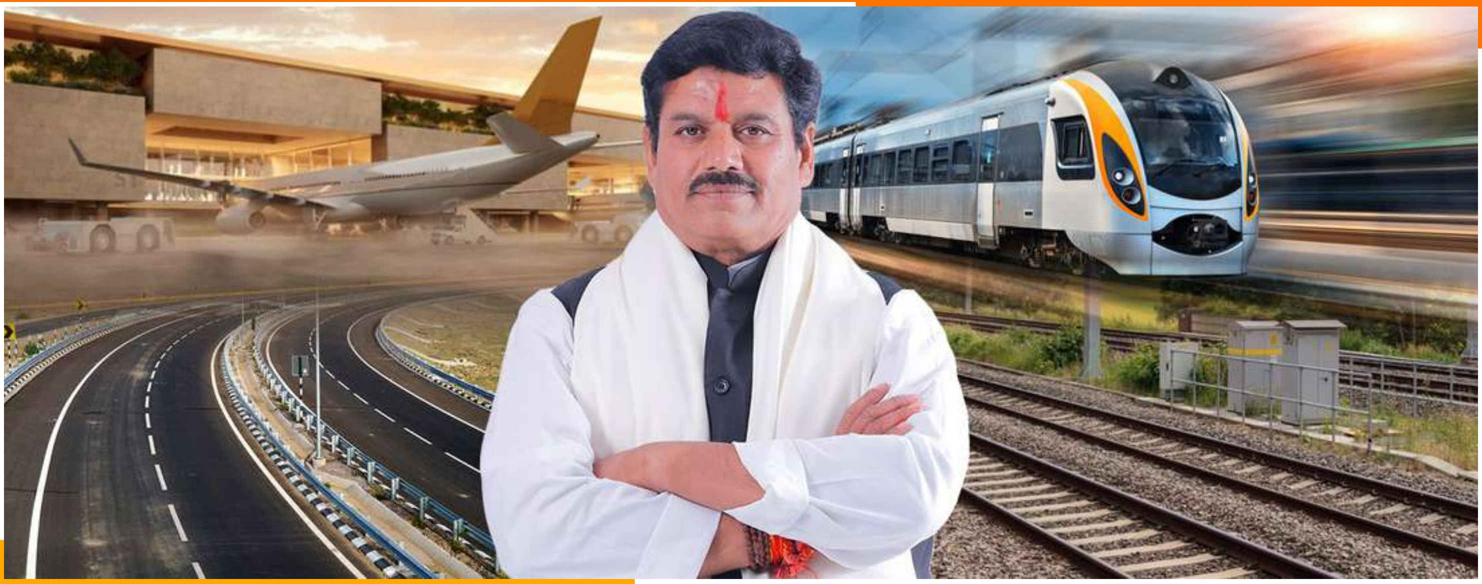

बाबा महाकाल के अद्वितीय, अकल्पनीय और अविस्मरणीय महालोक के प्रथम चरण के लोकार्पण बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालु भक्तों की संख्या तीन गुना हो चुकी है। ऐसे में यातायात के दबाव को संतुलित करने हेतु राज्य और केंद्र सरकार के सहयोग से उज्जैन के चारों ओर चौड़ी और उच्च गुणवत्ता की सड़को का जाल बिछाया जा रहा है। इसमें सबसे अहम उपलब्धि है उज्जैन को 'दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस-वे' से जोड़ना, यह कार्य प्रगति पर है और इस कनेक्टिविटी के मिलने से दिल्ली, मुंबई का उज्जैन से आवागमन सुगम हो जाएगा। वहीं, उज्जैन - इंदौर सड़क मार्ग पर ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचने के लिए नए वैकल्पिक मार्ग तलाशे गए हैं। इन मार्गो के कार्य प्रगति पर हैं। इधर, रेल विस्तार के अन्तर्गत उज्जैन से दक्षिण भारत को जोड़ने की कवायद जल्द साकार होने वाली है, आगामी वर्षों में उज्जैन को दक्षिण की ओर जाने वाली ट्रेनों की सौगात मिलेगी। उज्जैन से इन्दौर के बीच रेल लाईन का दौहरीकरण का कार्य लगभग 65 फीसदी पूरा हो चुका है, आशा है शेष कार्य कुछ ही महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, उज्जैन रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिकतम सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है और स्टेशन की इमारत सहित संरचना को महालोक की तरह भव्य स्वरूप दिया जाना प्रस्तावित है। केंद्रीय मंत्री (सड़क परिवहन और राजमार्ग) माननीय श्री नितिन गड़करी जी के सौजन्य से स्टेशन से महाकाल मंदिर परिसर तक रोप-वे का कार्य प्रगति पर है। वहीं, मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम चरण पर काम शुरू हो गया है। लक्ष्य सिंहस्थ वर्ष 2028 से पहले इसे पूरा करने का है। इसके जरिए उज्जैन को इंदौर - महू - पीथमपुर से जोड़ा जाएगा। इस प्रोजेक्ट के अमल में आ जाने से उज्जैन - इंदौर क्षेत्र को एक महानगर की शक्ल में देखा जा सकेगा। इधर, उज्जैन-इंदौर रोड पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट की घोषणा केंद्रीय मंत्री (नागरिक उड्डयन मंत्री) माननीय श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी कर चुके हैं। यह एयर पोर्ट भी जल्द ही अपने स्वरूप में आ जाएगा।

क्षिप्रा स्वच्छता - नर्मदा विस्तार

हमारी आस्था का केन्द्र मोक्षदायिनी क्षिप्रा मैया के जल का शुद्धीकरण और अविरल प्रवाह बनाए रखने के लिए ' नमामि गंगे मिशन ' की तर्ज पर ठोस कार्ययोजना बनाने की मेरी महती मांग के तहत पहले चरण में माननीय प्रधानमंत्री जी ने हाल ही में कान्ह नदी के गंदे पानी को स्वच्छ कर क्षिप्रा में छोड़ने की पांच सौ करोड़ की योजना को स्वीकृति दी है। वहीं, पेयजल आपूर्ति के लिए 'नर्मदा वैली डेवलपमेंट कॉरपोरेशन' के सहयोग से पीएचई विभाग उज्जैन में पाइप लाइन का विस्तार कर रहा है। इससे फिलहाल आधे शहर में पानी की आपूर्ति संभव हो सकेगी।

मेडीकल चिकित्सा कॉलेज

चिकित्सा के क्षेत्र में पड़ोसी शहरों पर निर्भरता कम होगी। आयुर्वेद कॉलेज के बाद अब मेडीकल कॉलेज त्वरित रूप से अस्तित्व में आ जाएगा।

उधोग और रोजगार

उज्जैन संसदीय क्षेत्र में कई नए उधोग आ रहे हैं। इससे आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और कई हजार स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजनित होंगे। जैसे केंद्र और राज्य का संयुक्त उपक्रम 'मेडीकल डिवाइस पार्क', केंद्र का उपक्रम 'कर्नाटक एंटी बायोटिक एंड फार्मा. लिमिटेड', जे के सीमेंट और ग्रेसीम इंडस्ट्री का विस्तार।

विकास के अन्य सौपान

- उज्जैन को एजुकेशन हब के लिए तैयार करना। जिससे शहरी एवं ग्रामीण छात्रों को अन्य शहरों का रुख न करना पड़े। स्थानीय शिक्षाविदों के सहयोग से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए यहां उच्चस्तरीय कोचिंग संस्थानों को आमंत्रित किया जाएगा।
- संसदीय क्षेत्र उज्जैन को आने वाले समय में स्पोर्ट्स एरेना के रूप में डेवलप किए जाने की योजना है। खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने से छात्रों और युवाओं का बौद्धिक, शारीरिक और मानसिक विकास तो होता ही है। इसके अलावा उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा सकता है।
- मैरिज डेस्टिनेशन के तौर पर भी उज्जैन को विस्तार दिया जाएगा। बीते सालों में इसका क्रेज बड़ा है, देखा गया है कि कई जोड़े और परिवार विवाह के लिए उज्जैन को प्रिफरेंस दे रहे हैं।

अंत में

मुझे हमेशा इस बात का अभिमान रहेगा कि उज्जैन के विकास हेतु मेरे द्वारा किए हर प्रयास को अथवा आपके संज्ञान में लाई गई योजनाओं को धरातल पर उतारने, साकार रूप देने और फलीभूत होने में उज्जैन के राजाधिराज, देवाधिदेव श्री महाकालेश्वर जी की कृपा और आशीर्वाद मिला। इसके साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी का वरदहस्त प्राप्त होता रहा है। मैं दिल की गहराइयों से आपका शुक्रगुजार हूं।

मिशन उज्जैन-2030- साकार होगी नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की मेरी परिकल्पना, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

उज्जैन बाबा महाकाल की पवित्र, आलौकिक और धार्मिक नगरी है। हमारा यह प्राचीन नगर पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उज्जैन को केंद्र में रखते हुए भोपाल से लेकर इंदौर और आसपास के कई छोटे-बड़े शहरों को आपस में आधुनिकतम तकनीक के जरिए क्रमबद्ध और योजनाबद्ध तरीके से जोड़ने की अपार संभावनाएं हैं। रोडवे और रेलवे के विकास के अलावा यहां एयरवे को भी नए आयाम देने की मेरी योजना है। इस परिकल्पना को त्वरित गति से मूर्त रूप देने के लिए मैं प्रयासरत हूं। इसी क्रम में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज चौहान जी के मार्गदर्शन में और केंद्रीय नागरिक एवं उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के सहयोग से उज्जैन-इंदौर मार्ग के बीच एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट विकसित होगा। जैसा कि आप सब जानते हैं, बाबा महाकाल की इस नगरी से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विशेष लगाव है अतएव उनका भी इस परियोजना को आशीर्वाद प्राप्त है।

इस एयरपोर्ट के निर्माण से यहां बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए आने वाले तमाम देशी-विदेशी श्रद्धालु मेहमानों को न सिर्फ सुविधा होगी बल्कि उज्जैन सहित इंदौर और आसपास के कई शहरों में आर्थिक विकास तेज होगा। जहां एक ओर यहां के व्यापार में त्वरित गति आएगी। वहीं, दूसरी ओर उज्जैन के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजन होंगे। मैं (अनिल फिरोजिया) उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र से संसद का निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते इस नीति पर पूरे दमखम से कार्यरत हूं कि स्थानीय प्रशासन अथवा शासन स्तर में बदलाव आने से भी यहां के विकास की योजनाओं के कामों पर विपरीत असर न पड़े और वे सुचारू रूप से गतिमान रहें।

मिशन उज्जैन -2030- उज्जैन रेलवे स्टेशन का विकास

'उज्जैन के राजा' बाबा श्री महाकालेश्वर के प्रति भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अपार श्रद्धा भाव और भक्ति किसी से छिपी नहीं है। अतएव स्वभाविक और स्पष्ट तौर पर उज्जैन के चहुंमुखी विकास में उनकी विशेष रुचि दिखती है।

प्राचीन एवं धार्मिक नगरी उज्जैन आने वाले बाबा के दर्शनार्थियों की संख्या में आए दिन निरंतर वृद्धि हो रही है। ये श्रद्धालु दर्शनाथी सबसे ज्यादा रेल-मार्ग से उज्जैन पहुंचते हैं। इसलिए उज्जैन के रेलवे स्टेशन को भव्य स्वरूप देने, इसका कायाकल्प करने और एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित करने के अलावा रेलवे स्टेशन को सीधे अलौकिक महाकालेश्वर धाम से रोप-वे के जरिए जोड़ा जाएगा, ताकि कम से कम समय में श्रद्धालुओं को महाकाल बाबा के दर्शन सुलभ हो सकें।

मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी के परामर्श से और उनसे मार्गदर्शन लेकर एक योजना बनाई। हम सब उज्जैन वासियों के लिए गर्व व सौभाग्य की बात है कि यह योजना रेल मंत्रालय से अनुशंसित होते हुए, केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत कर ली गई है। इस हेतु बजट में छः सौ करोड़ रुपयों का प्रावधान रखा गया है।

इसके लिए मैं अनिल फिरोजिया उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के सभी नागरिकों की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज चौहान जी, केंद्रीय रेलमंत्री माननीय श्री अश्विनी वैष्णव जी एवं विशेष रूप से हम सब के आदर्श एवं चहेते प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद और आभार प्रकट करते हैं।

इस महत्वाकांक्षी योजना के पूर्ण होने से न सिर्फ भगवान बाबा महाकाल की कीर्ति देश-विदेश में फैलेगी बल्कि प्राचीन नगरी उज्जैन को भी दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान मिलेगी। वहीं, उज्जैन के साथ आस-पास के सभी छोटे-बड़े शहरों के व्यापार में उत्तरोत्तर तेजी आएगी। इसके अलावा स्थानीय युवाओं के लिए भी नए रोजगार और नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

इन सुविधाओं से सुसज्जित होगा उज्जैन का आधुनिक रेलवे स्टेशन

उज्जैन रेलवे स्टेशन का नजारा भव्य दिखे इसके लिए विकास पूरी तरह से हवाई अड्डे की तर्ज पर किया जाएगा। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी मिलेंगी। वहीं, स्टेशन पर यात्रियों को स्वछ और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण उपलब्ध होगा। इसके अलावा रेस्टोरेंट, शापिंग-मॉल और रेस्ट-हाउस बनाया जाएगा।

- प्लेटफार्म पर श्री महाकालेश्वर मंदिर का प्रसाद, दान काउंटर, सुविधा केंद्र, उज्जैन के प्रसिद्ध कंकु-मेहंदी, नमकीन, भैरवगढ़ प्रिंट के स्टाल स्थापित किए जाएंगे।

- रिटेल कैफेटेरिया, मनोरंजन की दृष्टि से विशाल रूफ प्लाजा होगा।

- रेलवे ट्रैक के दोनों ओर स्टेशन की भव्य इमारतें होंगी, जो शहर के दोनों छोरों को स्टेशन से जोड़ेंगी। वहीं, योजना में फूड-कोर्ट और वेटिंग-लाउंज की उपलब्धता रहेगी।

- स्टेशन को समुचित प्रकाश व साज-सज्जा से युक्त करने के अलावा यात्रियों के लिए आरामदायक लिफ्ट व एस्कलेटर लगाए जाएंगे।

- स्टेशन के दोनों ओर पर्याप्त पार्किंग सुविधा के साथ यातायात के सुचारु संचालन के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है।

- ग्रीन बिल्डिंग तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।

- दिव्यांगजनों के अनुकूल सुविधाएं देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

- आगमन (अराइवल), प्रस्थान (डिपार्चर) का पृथक्करण (सेप्रेशन) कर आवागमन को सरलीकृत किया जाएगा।

- सीसीटीवी कैमरों के लिए अलग से 'कमांड एंड कंट्रोल' रूम बनाया जाएगा।

- वर्षा के जल का संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) का प्रबंध किया जाएगा। वहीं, अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग चक्र (रिसाइकल सिस्टम) को अमल में लाया जाएगा।

मिशन उज्जैन -2030- श्री महाकाल लोक का विकास

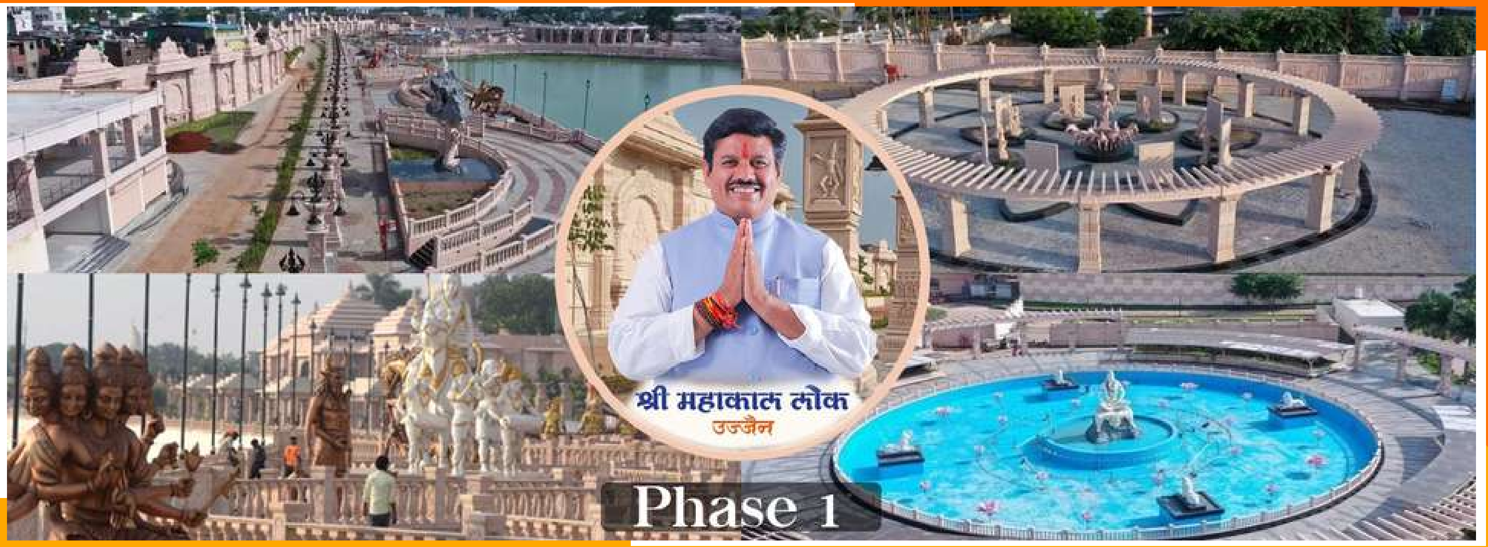

'श्री महाकाल लोक' को लेकर मेरे भीतर उमंग और उत्सुकता थी। मेरा एक स्वप्न था, देश और दुनिया के किसी भी कोने से कोई श्रद्धालु बाबा श्री महाकाल के आलौकिक दर्शनार्थ इस पावन नगरी में आता है, तो वह अपने जहन में एक अमिट छाप ले जाए। उस दर्शनार्थी के मन-मस्तिष्क पर न सिर्फ भगवान महाकाल की चिर स्थाई मूरत हो बल्कि उज्जैन की पवित्र भूमि और संस्कृति की भी अविस्मरणीय यादें हों। जब महालोक प्रोजेक्ट की कार्ययोजना पर मंथन चल रहा था, तब मैंने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी से अपने दिल की बात कही थी। मैंने उनसे ऐसी व्यवस्था कायम करने का निवेदन किया था कि बाबा महाकाल के महालोक के विकास अथवा उन्नयन में कोई अड़चन न आए। इस तरह परियोजना पर काम निरंतर जारी रहे। बदलाव प्रकृति का नियम है। अतः संभव है कभी प्रशासन स्तर पर कोई बदलाव हों या फिर सरकारी स्तर पर कोई फेरबदल हों।

मैं अनिल फिरोजिया उज्जैन का सांसद होने के नाते इस धार्मिक और पौराणिक नगरी के समस्त नागरिकों की ओर से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान जी एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी का दिल से अभिनंदन व धन्यवाद करता हूं। उनकी इच्छाशक्ति और परिश्रम से एक स्वप्न को धरातल पर उतरते उज्जैन सहित देश और दुनिया ने देखा है।

भगवान वासुदेव श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली, प्राचीन काल-गणना, महाकवि कालिदास और सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली नगरी का प्राचीन वैभव अब नए स्वरूप 'श्री महाकाल लोक' में अवतरित हो रहा है। पौराणिक नगरी उज्जैन के वैभव, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रबल इच्छा शक्ति और सामर्थ्य से श्री महाकाल क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए प्रभावी विकास योजना बनी, जो अपना मूर्तरूप ले रही है। भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 11अक्टूबर 2022 को एक गरिमापूर्ण समारोह में पूरे धार्मिक अनुष्ठानों के साथ योजना के प्रथम चरण के निर्माण और विकास कार्यों का लोकार्पण उज्जैन की पवित्र धरती से किया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 'बनारस (काशी) कॉरिडोर' की तर्ज पर 'महाकाल लोक' बनाया जा रहा है। योजना के प्रथम चरण में भगवान श्री महाकालेश्वर के आंगन में छोटे-बड़े रुद्र सागर, हरसिद्धि मन्दिर, चार धाम मन्दिर, विक्रम टीला आदि का विकास किया गया है। दूसरे चरण में महाराजवाड़ा परिसर का विकास किया जाएगा।

श्री महाकाल लोक का प्रथम चरण, जिसे तकनीकी रूप से 'मृदा प्रोजेक्ट-वन' कहा जाता है, पूर्ण हो चुका है। प्रथम चरण के कार्यों का लोकार्पण होने के पश्चात इसे आम श्रद्धालुओं के लिये खोल दिया गया है। इस तरह अब हरि फाटक ब्रिज की चौथी भुजा से आकर श्रद्धालु जैसे ही त्रिवेणी संग्रहालय पहुंचेंगे उन्हें बाबा श्री महाकाल के अलौकिक दर्शन प्राप्त होंगे।

'श्री महाकाल लोक' क्षेत्र विकास परियोजना की अनुमानित लागत आठ सौ करोड़ रुपये है, जिसमें प्रथम चरण में तीन सौ पचास करोड़ रुपये से महाकाल प्लाजा, महाकाल कॉरिडोर, मिड-वे झोन, महाकाल थीम पार्क, घाट एवं डैक एरिया, नूतन स्कूल कॉम्पलेक्स और गणेश स्कूल कॉम्पलेक्स का कार्य पूर्ण हो चुका है। महाकाल कॉरिडोर के प्रथम भाग में पैदल चलने के अनुकूल दो सौ मीटर का लम्बा मार्ग बनाया गया है। इसमें पच्चीस फीट ऊंची एवं पांच सौ मीटर लम्बी म्युरल वॉल बनाई गई है। वहीं, भगवान शिव के भिन्न-भिन्न मुद्राओं मे बने एक सौ आठ स्तंभ लग चुके हैं, जो एक अनुपम छटा बिखेरते हैं। लोटस पोंड, ओपन एयर थिएटर, लेक फ्रंट एरिया, ई-रिक्शा और इमरजेंसी व्हीकल्स के लिए भी मार्ग बनाए गए हैं। बड़े रुद्र सागर की झील में स्वच्छ पानी प्रवाहित किया गया है। वहीं, इस पानी की गुणवत्ता और स्वच्छता को सुनिश्चित करने का सिस्टमेटिक प्रावधान किया गया है।

महाकाल थीम पार्क में बाबा श्री महाकालेश्वर की कथाओं से युक्त म्युरल वॉल, सप्त सागर के लिए डैक एरिया, उसके नीचे शॉपिंग और बैठक क्षेत्र विकसित किया गया है। इसी प्रकार त्रिवेणी संग्रहालय के नजदीक छोटे बड़े व्हीकल्स के लिए मल्टीलेवल पार्किंग एरिया बनाया गया है। इस क्षेत्र में धर्मशाला एवं अन्न भंडार कक्ष भी बनाये गए हैं। रोड क्रॉसिंग के जरिए पैदल यात्रियों की कनेक्टिविटी डेवलप की गई है। वहीं, मिड-वे झोन में पूजन सामग्री की दुकानें, फूड कोर्ट, लेक व्यू रेस्टोरेंट, लेक फ्रंट डेवलपमेंट जैसी सुविधाएं और टॉवर सहित निगरानी एवं नियंत्रण केन्द्र की स्थापना भी की गई है। मंदिर पहुंच मार्ग आसान करने के लिए सड़कों को चौड़ा किया गया है और नये मार्ग बनाये गये हैं।

श्री महाकाल लोक क्षेत्र विकास योजना के दूसरे चरण 'मृदा प्रोजेक्ट-पार्ट टू' में महाराजवाड़ा परिसर का विकास किया जाएगा। इस चरण के कार्य वर्ष 2023-24 तक पूर्ण होंगे। इस चरण में ऐतिहासिक महाराजवाड़ा भवन का हैरिटेज के रूप में पुनर्पयोग, पुराने अवशेषों का समावेश कर भवन का आंशिक उपयोग कुंभ संग्रहालय के रूप में करते हुए इस परिसर का श्री महाकाल मन्दिर परिसर से एकीकरण किया जाएगा। वहीं, स्थानीय कला एवं संस्कृति को दर्शाते हुए सांस्कृतिक हाट का निर्माण होगा।

मिशन उज्जैन -2030- हाईवे का विकास

सब बाबा श्री महाकाल की कृपा है। उज्जैन के सांसद होने के नाते अनिल फिरोजिया जब कोई बात रखता है या बाबा की आलौकिक नगरी उज्जैन के विकास की किसी योजना का प्रस्ताव सरकारों के समक्ष विचार के लिए लाते हैं, तो प्रदेश और केंद्र सरकार उसे तवज्जो देती हैं। आजादी के बाद कई सालों तक उज्जैन का अपेक्षित विकास नहीं हुआ, क्योंकि तब की सरकारों में वह प्रबल इच्छा शक्ति नहीं थी। अब केंद्र में जन-जन के नायक, कर्मठ और पारदर्शी प्रधानमंत्री मोदी जी का नेतृत्व है। सुगम संपर्क, तीव्र विकास, बेहतर सुरक्षा और सबकी समृद्धि सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ नेक्स्ट जनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए प्रदेश एवं केंद्र सरकार लगातार कदम उठा रही हैं।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी परियोजना, 'दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे' के अंतर्गत केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, दिल्ली से मुंबई तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत करीब एक लाख करोड़ रूपए है। इसका एक बड़ा हिस्सा अपने मध्यप्रदेश से होकर गुजरेगा। इस एक्सप्रेस-वे से बाबा की पौराणिक नगरी उज्जैन को जोड़ा जाएगा। यह कनेक्टिविटी मिलने के बाद उज्जैन से मुंबई की दूरी 8 घंटे और उज्जैन से दिल्ली सिर्फ 6 घंटे में तय की जा सकेगी। इससे आने-जाने के समय और व्यय की बचत होगी। वहीं, इन मेट्रो सिटी और आसपास के शहरों से आने वाले बाबा महाकाल के श्रद्धालु भक्तजनों की संख्या में इजाफा होगा। जिसका सीधा लाभ उज्जैन के व्यापार और पर्यटन को होगा। बता दें, 25 हजार करोड़ रुपए की लागत से मध्यप्रदेश में तीन ग्रीन एक्सप्रेस-वे, हाईवे बन रहे हैं।

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन को मेरे द्वारा प्रस्तावित एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से अनुशंसित 11 सड़क परियोजनाओं की सौगात केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री द्वारा दी गई है। 5725 करोड़ रुपए की लागत से पूरी होने वाली एवं 534 किलोमीटर लंबी इन सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी एवं माननीय श्री नितिन गड़करी जी के करकमलों से हो चुका है।

ये हैं उक्त सड़क परियोजनाएं

- उज्जैन - गरोंठ

इस फोर-लेन सड़क परियोजना को तीन फेज में पूरा किया जाएगा, जिसकी कुल लंबाई 136 किलोमीटर होगी। पहले फेज में 42 किलोमीटर, दूसरे फेज में 48 किलोमीटर और तीसरे एवं अंतिम फेज में 46 किलोमीटर।

- उज्जैन - बदनवार

फोर-लेन 69 किलोमीटर

- उज्जैन - झालावाड़ा

फोर-लेन 134 किलोमीटर

- उज्जैन - देवास

फोर-लेन चौड़ीकरण 41 किलोमीटर

- जीरापुर - सुसनेर

फोर-लेन 46 किलोमीटर

- जवासियापंथ - फतेबाद,चंद्रावतीगंज

फोर-लेन 17 किलोमीटर

- बरोठा - सेमल्या - चाऊ

फोर-लेन 18 किलोमीटर

- भादवा माता - सरवानिया महाराज - जावद - अठाना - चडोल

फोर-लेन 48 किलोमीटर

- बही - बालागुढ़ा - अंबाव - कनघट्टी उगरान

फोर-लेन 25 किलोमीटर

उज्जैन - नागदा - जावरा टू लेन (राज्य मार्ग - 17) को फोर लेन बनाने पर एनएचएआई द्वारा काम किया जा रहा है।

इस मार्ग पर गुजरात और राजस्थान का ट्रैफिक अधिक होने व कई अंधे मोड़ (ब्लाइंड टर्न) होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इसमें सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अनिल फिरोजिया इस सड़क को फोर लेन में बदलने की मांग लंबे समय से कर रहे थे।

इसी तरह उज्जैन - चिंतामन जवासिया - तालोद - पीथमपुर मार्ग को 'भारत माला फेज-2' में शामिल करने की स्वीकृति माननीय श्री गड़करी जी से प्राप्त हो चुकी है। इस नई सड़क के बनने से उज्जैन से इंदौर एयरपोर्ट की दूरी में कमी आएगी। इससे औद्योगिक नगरी पीथमपुर से उज्जैन शहर सीधे तौर पर जुड़ जाएगा। वहीं, दूसरी ओर देवास - उज्जैन बायपास बनने के साथ- साथ पुरानी सड़क (नागझिरी चौराहे से दताना तक) का चौड़ीकरण और मरम्मत किया जाएगा।

मैं अनिल फिरोजिया उज्जैन की जनता की ओर से माननीय श्री नितिन गड़करी जी का आभार व्यक्त करता हूं एवं उन्हें साधुवाद देता हूं। उज्जैन के लिए जो कुछ भी उनसे संभव हो सकता है वे खुले दिल से देते हैं एवं अमूल्य मार्गदर्शन कराते हैं।

मिशन उज्जैन -2030- उद्योग और रोजगार विकास

यह बाबा श्री महाकालेश्वर का ही प्रताप है। मांगे, बिन मांगे प्रदेश और देश के मुखिया ने हमारी प्राचीन नगरी उज्जैन के लिए शासन के खजाने खोले हुए हैं। कई बार मैं अभिभूत हो जाता हूं, वास्तव में इसके लिए बड़ा दिल चाहिए। जो कुछ भी राज्य और केंद्र सरकार ने दिया उससे उज्जैन की काया ही पलट जाएगी। इससे यहां के युवाओं के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं खुल जाएंगी। वहीं व्यापार में भी वृद्धि होगी। मैं अनिल फिरोजिया अपने संसदीय क्षेत्र के युवाओं से अपील करना चाहता हूं कि वे आ रहे अवसरों को भुनाएं और इसे चुनौती के रूप में स्वीकारें।

श्री महाकाल की नगरी उज्जैन को रोड और रेल मार्ग के विस्तार व उन्नयन की अनेकों परियोजनाओं के जरिए विकसित किया जा रहा है। उज्जैन भारत का केंद्र है और इसे चारों दिशाओं से जोड़ने के साधन विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, पानी की उपलब्धता आसान करने के लिए आस-पास की छोटी-बड़ी नदियों को जोड़ने की मेरी कोशिशें अवश्य रंग लाएंगी, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। नर्मदा मैया के जल को उज्जैन के हर क्षेत्र में विस्तार दिया जा रहा है। कुल मिलाकर यहां नए उधोग-धंधे आएं व फलें-फुलें, ऐसी मेरी मंशा है और उज्जैन अपनी पुरानी 'उद्योग नगरी' वाली प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित कर पाए। इसके फलस्वरूप मेरे संसदीय क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकें। इस परम लक्ष्य को हासिल करना ही मेरा यानी अनिल फिरोजिया का सपना है।

इस एयरपोर्ट के निर्माण से यहां बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए आने वाले तमाम देशी-विदेशी श्रद्धालु मेहमानों को न सिर्फ सुविधा होगी बल्कि उज्जैन सहित इंदौर और आसपास के कई शहरों में आर्थिक विकास तेज होगा। जहां एक ओर यहां के व्यापार में त्वरित गति आएगी। वहीं, दूसरी ओर उज्जैन के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजन होंगे। मैं (अनिल फिरोजिया) उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र से संसद का निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते इस नीति पर पूरे दमखम से कार्यरत हूं कि स्थानीय प्रशासन अथवा शासन स्तर में बदलाव आने से भी यहां के विकास की योजनाओं के कामों पर विपरीत असर न पड़े और वे सुचारू रूप से गतिमान रहें।

यहां मैं कुछ विशेष उधोगो की चर्चा अवश्य करना चाहूंगा जो मेरे, माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से एवं माननीय प्रधानमंत्री जी के आर्शीवाद से उज्जैन के धरातल पर उतरे हैं।

1. मेडिकल डिवाइस पोर्ट
2. कर्नाटका एंटी बायोटिक एंड फार्मा. लिमिटेड
3. जे के सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड
4. अमूल मिल्क प्लांट
5. ग्रीन गारमेंट फैक्ट्री (प्रतिभा स्वराज प्राइवेट लिमिटेड)
6. ग्रेसिम इंडस्ट्री

ये वे उद्योग हैं जिनसे उज्जैन के युवाओं के लिए अनेक रोजगार के अवसर सृजन होंगे। वहीं उज्जैन में व्यापार और आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

- **मेडिकल डिवाइस पार्क**

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मेडिकल डिवाइस के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र सरकार ने देश में चार जगह 'मेडिकल डिवाइस पार्क' खोलने की घोषणा की थी। इसमें से एक महाकाल की पावन और अद्भुत नगरी उज्जैन है। वहीं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने कैबिनेट के जरिए इसे सैद्धांतिक स्वीकृति दी। इसमें से एक महाकाल की पावन और अद्भुत नगरी उज्जैन है। वहीं मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने कैबिनेट के जरिए इसे सैद्धांतिक स्वीकृति दी। यह राज्य और केंद्र सरकार का संयुक्त उपक्रम है।विक्रम उद्योगपुरी का चयन केंद्रीय स्तर पर किया गया है।

यह देश का सबसे बड़ा डिवाइस पार्क होगा, जो उज्जैन-देवास रोड पर नरवर के समीप स्थित विक्रम उद्योगपुरी के 360 एकड़ के भूमि क्षेत्र में स्थापित होगा। इससे यहां तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपयों का निवेश आने की संभावना है। मेडिकल डिवाइस उद्योगों के लिए जमीनी तैयारी जोर-शोर से चल रही है।

- **कर्नाटका एंटी बायोटिक्स एंड फार्मास्यूटीकल्स लिमिटेड**

उज्जैन-देवास रोड स्थित विक्रम उद्योगपुरी में मेडिकल डिवाइस पार्क के साथ-साथ मेडिकल से जुड़े अन्य उद्योग भी आएंगे।

इस कड़ी में सबसे पहले केंद्र सरकार के उपक्रम 'कर्नाटका एंटी बायोटिक्स एंड फार्मास्यूटीकल्स लिमिटेड' को जमीन दी गई है। राज्य शासन के स्तर पर सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी है।

राज्य शासन ने इस कारखाने को कई विशेषताओं के कारण मंजूरी दी है। इसमें बड़ा पूंजी निवेश और रोजगार अवसर हैं। विशेष तरह का उत्पादन होने से यहां स्किल डेवलपमेंट होगा। क्षेत्र में कारखाने से जुड़े अन्य रोजगार अवसर आने से आर्थिक विकास होगा। सरकारी कंपनी होने से सीएसआर के माध्यम से सामाजिक विकास में मदद मिलेगी।

कर्नाटका एंटी बायोटिक्स की फैक्ट्री में दवाईयों के 7 तरह के तत्व बनेंगे। यह मटेरियल अभी चीन से आता है। इनका निर्माण उज्जैन में होने से पूरे देश में सप्लाई होगी। पहले चरण में तीन सौ करोड़ रुपए और दूसरे चरण में भी इतना ही निवेश होगा। पहले चरण में करीब पांच सौ लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। इन्हें केंद्रीय वेतनमान मिलेगा। यानी करीब 8 करोड़ रुपए हर महीने वेतन बंटेगा। इसके साथ ही कारखाने के लिए रॉ-मेटेरियल बनाने वाले 15 और कारखाने भी आएंगे।

- **जे के सीमेंट**

जे के सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड, उज्जैन जिले में अपनी ग्रीनफील्ड ग्राइंडिंग इकाई का शिलान्यास कर चुकी है। निर्माण और स्थापना की गतिविधियां लगभग 400 करोड़ रुपये के निवेश और 1.50 मिलियन टन प्रति वर्ष की कुल उत्पादन क्षमता के साथ शुरू हो गई हैं। इसमें हजारों लोग रोजगार पाएंगे।

- **ग्रीन गारमेंट फैक्ट्री**

प्रतिभा स्वराज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कराड़िया, उज्जैन में ग्रीन गारमेंट फैक्ट्री पंद्रह एकड़ भूमि पर स्थापित की गई है। जहां विश्वस्तरीय स्तर के स्पोर्ट्सवियर का निर्माण होगा। इस प्लांट से तकरीबन चार हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा, जिसमें से 80% जॉब महिलाओं के लिए होंगे।

- **अमूल मिल्क प्लांट**

सबसे पहले अमूल ने यहां काम शुरू किया है। अमूल की एक छोटी यूनिट उज्जैन में पहले से है। लेकिन बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए अमूल, विक्रम उद्योगपुरी में 400 करोड़ रुपए की लागत से नया प्लांट लगा रहा है। लगभग एक साल के भीतर फैक्टरी का काम पूरा हो जाएगा।

नए प्लांट में लगभग पांच लाख लीटर दूध का प्रतिदिन उत्पादन होगा। इसके अलावा आइस्क्रीम, लस्सी, दही, पनीर आदि भी यहां बनेंगे। उज्जैन में उत्पादित यह सामग्री प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई होगी। इस प्लांट से 500 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा सप्लाई चैन के माध्यम से भी लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

- **ग्रेसिम इंडस्ट्री**

नागदा में 2500 करोड़ की लागत से ग्रेसिम स्टेपल फाइबर डिवीजन का विस्तारीकरण किया जा रहा है। इससे कुल 2820 नए रोजगार का सृजन होगा। नए प्लांट में कपड़ा बनाने में आवश्यक फाइबर का ही उत्पादन किया जाएगा। इसमें एक्सल फाइबर भी बनाया जाएगा। इसकी वैश्विक बाजार में अच्छी डिमांड है।

शहर में इस प्लांट को लगाने का कारण चंबल है, जिसके पानी से कृत्रिम फाइबर का उत्पादन विश्वभर में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। फिलहाल पर्यावरणीय अनुमति मिलने से यह प्रोजेक्ट अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

मिशन उज्जैन -2030- मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा का संरक्षण और नर्मदा मैया का विस्तार

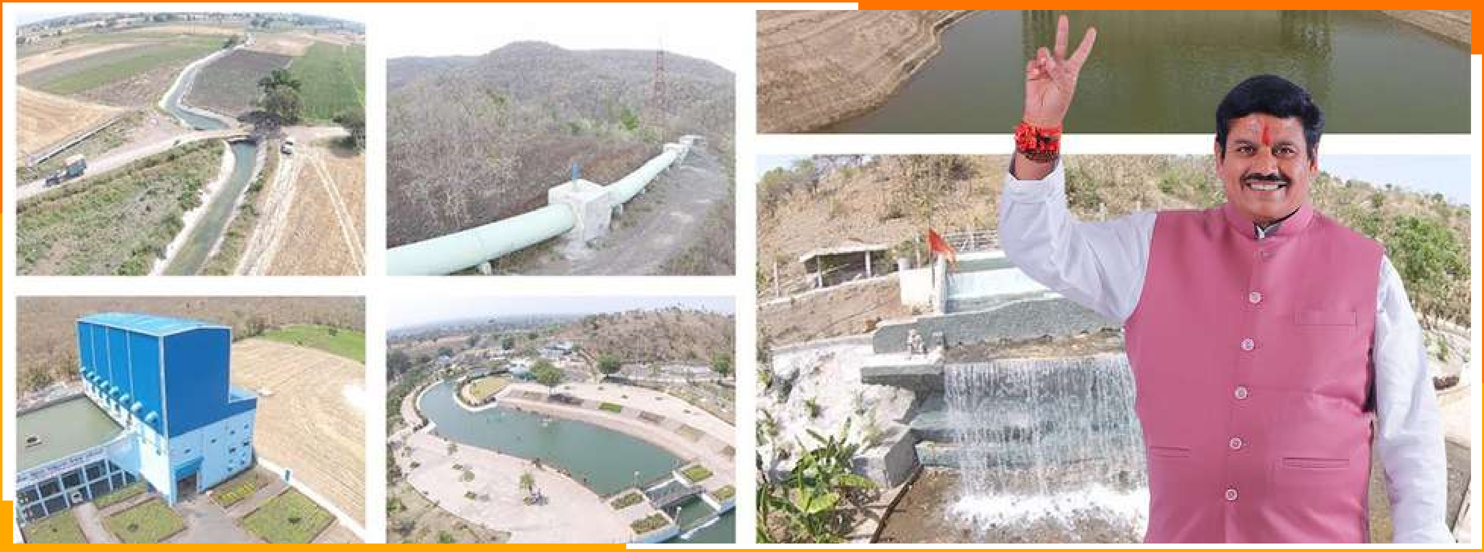

प्रकृति का अभिन्न अंग नदियां सदैव जीवनदायनी रही हैं। क्षिप्रा नदी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। हिंदू धर्म शास्त्रों में जिस तरह आसमान में सप्तऋषि के रूप में सप्त-तारों को पूज्य माना गया है, उसी तरह पृथ्वी पर सप्त-नदियों को पवित्र बताया गया है। क्षिप्रा नदी उनमें से एक हैं। पौराणिक कथाओं में (स्कंद पुराण - 'नास्ति वास मही पृष्ठे क्षिप्राया सदृश नदी') यानी क्षिप्रा मैया के स्मरण मात्र से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं, इसलिए ही क्षिप्रा मैया को मोक्षदायनी कहा गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक और सभी के लिए चिंता का विषय है कि आज क्षिप्रा का प्रवाह अविरल, प्राकृतिक और प्राचीनतम नहीं रहा है। हाल ही में आईं रिपोर्ट में इसके जल पर प्रश्नचिन्ह लगे हैं। इस नदी के प्रदूषित होने के मुख्य कारणों में उज्जैन के ही डेढ़ दर्जन गंदे नाले, देवास की इंडस्ट्रीज और सबसे ज्यादा इंदौर से आने वाली कान्ह नदी जो एक गंदे नाले के रूप में दूषित पानी को क्षिप्रा नदी में लाकर उड़ेल देती है।

निश्चित रूप से इस दिशा में सरकार और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे गंभीरता से हर संभव, सार्थक एवं सामूहिक प्रयास करें। मैं अनिल फिरोजिया मानता हूं ऐसे भरसक प्रयत्न किए जा रहे हैं, लेकिन उज्जैन और समीप शहरों के सभी रहवासियों, संगठनों का भी धार्मिक, सामाजिक और नैतिक दायित्व है कि वह अपने हिस्से का योगदान इस यज्ञ में देकर पुण्य के भागीदार बनें। अकेले सरकारों के प्रयास, पर्याप्त नहीं होंगे। इसमें लोगों की सहभागिता अवश्य होनी चाहिए। इससे वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों का भी भविष्य सुरक्षित रह सकेगा।

मैं अनिल फिरोजिया एक निर्वाचित जनप्रतिनिधी होने के नाते अपने संसदीय क्षेत्र उज्जैन-आलोट के प्रति अपने दायित्वों को भली-भांति जानता हूं। मैंने समय-समय पर लोकसभा में और माननीय प्रधानमंत्री जी से व्यक्तिगत मुलाकात कर बाबा श्री महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा मैया के वर्तमान स्वरूप को लेकर लोगों की व्यथा प्रकट करते हुए बताया है कि किस प्रकार इंदौर से

निकली कान्ह नदी एक गंदे नाले की शक्ल ले चुकी है और इसका गंदा पानी मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा में प्रवाहित होकर उसे दिन-प्रतिदिन प्रदूषित और मैला कर रहा है। जिससे यहां जलीय-जीव, तटीय वनस्पतियों और जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मैंने बताया कि हाल ही में आईं रिपोर्ट बताती हैं कि यहां का जल डी-ग्रेड स्तर पर पहुंच गया है। जो आचमन और पीना तो दूर नहाने लायक भी नहीं होता है। मैंने माननीय प्रधानमंत्री जी से ठोस कदम उठाए जाने के लिए निवेदन किया था। जिसके फलस्वरूप 23 फरवरी 2023 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने कान्ह नदी को 'नमामि गंगे मिशन' में शामिल करते हुए 511 करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत 195 एमएलडी के नई तकनीक से युक्त तीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। इसके जरिए कान्ह नदी के पानी को स्वच्छ कर फिर क्षिप्रा में छोड़ा जाएगा। यह प्रोजेक्ट अगले दो वर्षों में पूर्ण कर लिया जाएगा। इस ठोस पहल के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं।

शास्त्रों में वर्णित है कि गंगा मैया में डुबकी लगाने से मनुष्य के पाप नष्ट होते हैं। जबकि नर्मदा मैया के दर्शन मात्र से पाप नष्ट होते हैं। ऐसी पवित्र नर्मदा मैया, बाबा श्री महाकाल की पावन नगरी उज्जैन के लोगों के लिए जीवनदायनी बन कर आईं हैं। अब नर्मदा जी के निर्मल जल से आधे उज्जैन की प्यास बुझ सकेगी।

महज 550 मीटर की नई पाइप लाइन बिछाकर नर्मदा जी का जल सीधे 'गऊघाट फिल्टर प्लांट' तक पहुंचाने की तैयारी की गई है। पीएचई विभाग ने 'नर्मदा वैली डेवलपमेंट अथॉरिटी' द्वारा बिछाई जा रही बहुउद्देशीय नर्मदा-मालवा पाइप लाइन से 'गऊघाट फिल्टर प्लांट' को जोड़ने का प्रोजेक्ट लगभग पूरा कर लिया है। इस पर 1 करोड 60 लाख रुपए से अधिक का खर्च किया गया है।

इस हेतु मैं अनिल फिरोजिया माननीय मुख्यमंत्री जी का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं।

इस तरह घरों तक पहुंचेगा नर्मदा जी का निर्मल जल

- नर्मदा-मालवा बहुउद्देशीय पाइप लाइन योजना के अंतर्गत 'एनवीडीए' चिंतामन ब्रिज के नजदीक तक 1400 एमएम की पाइप लाइन बिछा रहा है।

- इससे करीब 550 मीटर की दूरी पर भूखी माता क्षेत्र से गंभीर-गऊघाट की पाइप लाइन गुजरती है।

- पीएचई के इस नए प्रोजेक्ट के अंतर्गत नर्मदा-मालवा बहुउद्देशीय पाइप लाइन से 800 एमएम का एक कनेक्शन चिंतामन ब्रिज के नजदीक से गऊघाट लाइन से किया जाएगा।

- जरूरत पड़ने पर 'एनवीडीए' से समन्वय कर नर्मदा का पानी गंभीर-गऊघाट लाइन में छोड़ कर 'गऊघाट फिल्टर प्लांट' तक पहुंचाया जा सकेगा।

- अब उक्त प्लांट से पानी फिल्टर कर नलों के जरिए घर-घर तक सप्लाई किया जा सकेगा।

वर्तमान में गंभीर व गऊघाट फिल्टर प्लांट के जरिए ही पूरे शहर में जलप्रदाय होता है। इसके लिए गंभीर डेम के अलावा कुछ पानी क्षिप्रा मैया से भी लिया जाता है।

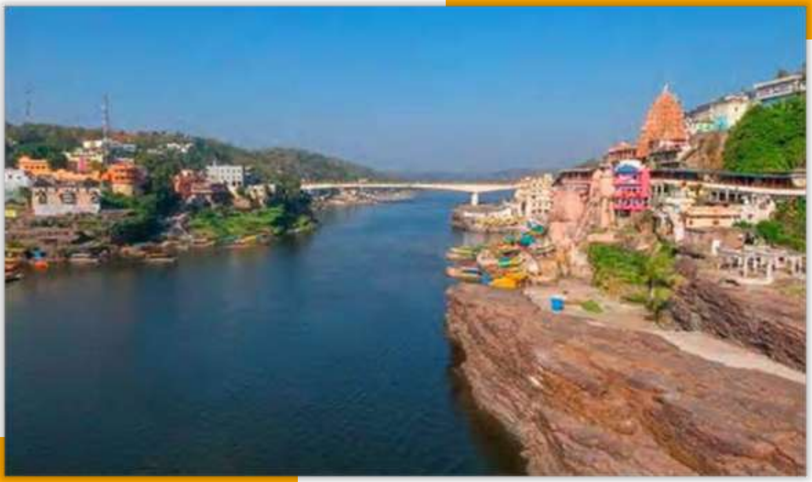

चिकित्सा क्षेत्र में उज्जैन को मिली अहम कामयाबी

58 वर्षों से लगातर उज्जैन एक शासकीय मेडिकल कॉलेज की मांग कर रहा था। अब यह इंतजार खत्म हो गया है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी की घोषणा और मध्य प्रदेश की कैबिनेट मीटिंग में इस हेतु 260 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति के बाद इसके लिए सर्वसम्मति से जमीन चिंहित कर ली गई है। इस तरह उज्जैन में दो मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। वहीं, विक्रम उधोगपुरी में 'मेडिकल डिवाइस पार्क' शुरू होगा। इससे उज्जैन का मेडिकल हब के रूप में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसके चलते यहां के नागरिकों को सस्ती और बेहतर मेडिकल फैसिलिटीज मिल पाएंगी। इस मेडिकल कॉलेज को इंदौर मार्ग पर हरिफाटक ओवरब्रिज के समीप शासकीय भूमि पर बनाया जाएगा। पर्याप्त और आसान पहुंच की शासकीय भूमि का चुनाव करना एक बड़ी बाधा थी, जिसे पार कर लिया गया है। इसके बाद स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं के लिए उज्जैन की इंदौर पर निर्भरता कम हो जाएगी।

जब तक मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक इसे अस्थाई रूप से यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग में शुरू किया जाएगा, ताकि नागरिकों को शीघ्र-अतिशीघ्र स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। मेडिकल कॉलेज को शुरू करने के लिए कई मापदंडों और मानकों पर खरा उतरना होता है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (नेशनल मेडिकल कमीशन) सहित अन्य टीमें इंस्पेक्शन कर अपनी रिपोर्ट देंगी। तत्पश्चात मेडिसिन, सर्जरी, गायनिक सहित 22 से 24 डिपार्टमेंट तैयार करना होंगे। मेडिकल उपकरण एवं अन्य सुविधाएं भी जुटाना होंगी। वहीं, इसमें सीनियर व असिस्टेंट प्रोफेसर, टेक्नीशियन, नर्सिंग स्टाफ आदि पदों पर भर्ती करना अनिवार्य होगी।

इस शासकीय मेडिकल कॉलेज की सारी फंडिंग राज्य शासन करेगा। विक्रम विश्वविधालय द्वारा म. प्र. शासन को भेजा गया 'पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप' मॉडल वाला प्रस्ताव जब मेरे संज्ञान में आया। तब अनिल फिरोजिया ने ही इस प्रस्ताव का मुखर विरोध किया था। मैं अडिग खड़ा रहा कि हमें सरकारी मेडिकल कॉलेज ही चाहिए, जिसके फलस्वरूप इसे कैबिनेट से मंजूरी मिली। मैं अनिल फिरोजिया उज्जैन संसदीय क्षेत्र के सभी नागरिकों की ओर से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह जी का उज्जैन के हितार्थ लिए इस फैसले के लिए धन्यवाद और अभिनंदन करता हूं।

शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज

बाबा श्री महाकाल की नगरी के लिए यह समय यश-कीर्ति में अभिवृद्धि का दौर है। शहर में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें महाअधिवेशन के उद्घाटन सत्र में तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी का आगमन हुआ। इस मौके पर उनके कर कमलों से उज्जैन के मंगलनाथ मार्ग पर 19.37 करोड़ रुपए की लागत से दो लाख स्क्वेयर फीट के परिसर में नवनिर्मित चार मंजिला अत्याधुनिक भवन का लोकार्पण हुआ। शासकीय धनवंतरि आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के इस नवीन भवन में आयुर्वेद चिकित्सा के सभी 14 विभागों की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाएं लगेंगी।

यह भवन सम्राट विक्रमादित्य के नौ रत्नों में से एक 'धनवंतरि' के नाम से बना है। उज्जैन नगर में आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय 1969 से निरंतर अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य के साथ विभिन्न विधाओं के जरिए आम जनता को सुविधा उपलब्ध करा रहा है।

भारतीय चिकित्सा राष्ट्रीय अधिवेशन आयोग (NCISM), नई दिल्ली के मापदंडों के अनुसार अधोसंरचना की पूर्ति हो जाने से बीएएमएस, एमडी, पीएचडी आदि पाठ्यक्रम की मान्यता निरंतर बनी रहेगी। यहां चारो ओर से आने वाले रोगियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए श्रेष्ठ चिकित्सक, विशेषज्ञ तैयार किए जाएंगे। साथ ही प्रदेश के अध्ययनरत छात्रों को आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए प्रदेश के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। शासकीय धनवंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय उज्जैन, मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू), जबलपुर से संबद्ध है।

इस आयुर्वेदिक कॉलेज में बीएएमएस की 125 और एम.डी./एम.एस. की 17 सीटें हैं। वहीं, पी.एच.डी. की 4 सीटें हैं। उज्जैन को यह सौगात देने वाले केंद्रीय मंत्री (आयुष मंत्रालय) माननीय श्री सर्बानंद सोनोवाल जी का मैं दिल से आभार प्रकट करता हूं।

योग और खेल अखाड़ा

बच्चों और विद्यार्थियों को खेलों की तरफ आकर्षित करने के उद्देश्य से फरवरी 2023 में 'खेलो इंडिया खेल' के अंतर्गत माधव सेवा न्यास, उज्जैन में 18 वर्ष से कम उम्र के विधार्थियों के लिए योग और मलखंब की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। दोनों ही खेल आज की स्थिति में ग्लोबल हो चुके हैं। इसके अलावा अन्य खेलों में भी संभाग, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन उज्जैन में कराने के लिए मैं प्रयासरत हूं। मैं अनिल फिरोजिया, उज्जैन सहित आस-पास क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ व पूर्व खिलाड़ियों का आव्हान करता हूं कि वे आगे आएं और उज्जैन को 'स्पोर्ट्स एरेना' के रूप में विकसित करने में अपना योगदान दें। व्यक्तिगत क्षमता से और शासन स्तर पर हर संभव सहयोग दिलाने के लिए मैं सदैव कटिबद्ध हूं।

मैं न सिर्फ स्टूडेंट्स से बल्कि उनके पेरेंट्स से भी आग्रह करता हूं। बच्चों को खेलों की ओर प्रेरित करें, चाहे इनडोर हो या आउटडोर गेम बच्चे की रुचि के अनुसार उन्हें बढ़ावा दें। खेलों से न सिर्फ बौद्धिक और शारीरिक विकास होता है बल्कि मानसिक दृढ़ता भी आती है। वहीं, हर उम्र के लोगों से योग की ओर प्रवृत्त होने एवं योगाभ्यास प्रशिक्षण लेने का मेरा सुझाव रहेगा। जैसा कि सर्वविदित है, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने विश्वभर में योग विद्या को बढ़ावा दिया है और इसका महत्व प्रतिपादित किया है। फलस्वरूप दुनियाभर में 'योग-दिवस' उत्सव की भांति मनाया जाता है।

क्रिकेट, हॉकी, 'ड्रॉप रो-बाल' और 'कुने डो' मार्शल आर्ट कराटे संगठनों से सीधे जुड़े होने के कारण मेरी दिली तमन्ना रहती है, इन खेलों में स्थानीय प्रतिभाशाली छात्रों अथवा युवाओं को बढ़ावा दे सकूं। इसी उद्देश्य से मेरे पिता स्वर्गीय भूरेलाल फिरोजिया जी की स्मृति में हर वर्ष क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। जिसमें उज्जैन संसदीय क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवाओं को अपना जौहर दिखाने और प्रतिभा को निखारने का भरपूर मौका मिलता है।